

पाणिपल्लव पुं. (तत्.) 1. उँगलियाँ 2. करपल्लव, पल्लव रूपी हाथ।
पाणिपीड़न पुं. (तत्.) 1. पाणिग्रहण, विवाह 2. क्रोध, पश्चाताप आदि के कारण हाथ मलना।
पाणिबंध पुं. (तत्.) पाणिग्रहण, विवाह।
पाणिमर्द पुं. (तत्.) करमर्द, करौंदा।
पाणिमुक्तक्रिया/पाणिमुच वि. (तत्.) हाथ से फेंका जाने वाला (अस्त्र)।
पाणिमुख पुं. (तत्.) पितृदेव, पितर वि. (तत्.) जो हाथ से भोजन करे।
पाणिमूल पुं. (तत्.) कलाई।
पाणिरुह पुं. (तत्.) 1. उँगली 2. नख, नाखून।
पाणिरेखा स्त्री. (तत्.) हथेली पर की लकीरें, हस्तरेखा।
पाणिवाद पुं. (तत्.) 1. मृदंग, ढोल आदि बजाने वाला 2. ताली बजाने वाला 3. मृदंग, ढोल आदि वाद्य यंत्र या बाजे 4. ताली बजाना।
पाणिवादक पुं. (तत्.) 1. मृदंगादि बजाने वाला 2. ताली बजाने वाला।
पाणिसर्ग्या स्त्री. (तत्.) रस्सी, रजुरी।
पाणिहोम पुं. (तत्.) अधिकारी ब्राह्मण के हाथों से कराया गया विशिष्ट होम।
पाण्य वि. (तत्.) 1. हाथ संबंधी, पाणि-संबंधी 2. प्रशंसा के योग्य, बड़ाई के योग्य।
पाण्याश वि. (तत्.) हाथ से खाने वाला (पितर)।
पातंग वि. (तत्.) 1. पतंग संबंधी 2. भूरा।
पातंजल पुं. (तत्.) 1. पतंजलि कृत योगसूत्र 2. पतंजलि योगसूत्रानुसार योगसाधना करने वाले व्यक्ति 3. पतंजलि कृत महाभाष्य।
पातंजलिशास्त्र पुं. (तत्.) पतंजलि का बनाया हुआ योगशास्त्र या दर्शन।
पात पुं. (तत्.) 1. गिरने की क्रिया या भाव, पतन। जैसे- अधःपात 2. गिरने की प्रक्रिया या भाव जैसे- अश्रुपात, क्रियापात 3. टूटकर गिरने की क्रिया या भाव जैसे- उल्कापात, द्रुमपात 4. नाश, ध्वंस, मृत्यु (देहपात) 5. पड़ना, जा लगना (दृष्टिपात, भूमिपात) 6. खगोल में वह स्थान

जहाँ नक्षत्रों की कक्षाएँ कांतिवृत्त को काटकर लगातार बदलती रहती हैं, इसकी गति वक्र अर्थात् पूर्व से पश्चिम को है, इसका अधिष्ठाता देवता 'राहु' है 7. राहु 8. प्रहार, मार, आघात जैसे- खड्गपात 9. उड़ने की क्रिया, उड़ान, उड़ना 10. कान का एक गहना 11. घटना 12. भूल, दोष 13. पत्ता 14. रक्षित, त्रात।
पातक पुं. (तत्.) कर्ता को नीचे ढकेलने वाला या नरक भेजने वाला कर्म, पाप, किल्बिष, अध, कल्मष, गुनाह, निषिद्ध एवं नीच कर्म प्रायश्चित हेतु पातक के 9 भेद, मनु ने पाँच महापातक बताए हैं।
पातकी वि. (तत्.) पाप या पातक करने वाला, पापी, अधी, अपराधी, कुकर्मी, अधर्मी।
पातग पुं. (तत्.) पाप, पातक।
पातन पुं. (तत्.) 1. गिरने की क्रिया, नीचे ढकेलने की क्रिया 2. फेंकना या डालना 3. झुकाना, नवाना 4. काटकर गिरा देना 5. आयु. पारे के आठ संस्कारों में से पाँचवां संस्कार।
पातनीय वि. (तत्.) 1. पात के योग्य, गिराने लायक 2. प्रहार के योग्य, प्रहरणीय।
पातबंदी स्त्री. (देश.) वह नक्शा जिसमें किसी जायदाद की अंदाजन मालियत और उस पर जितना देना या कर्ज हो, वह लिखा जाता है।
पातयिता वि. (तत्.) 1. नीचे गिराने वाला 2. फेंकने वाला।
पातरि स्त्री. (देश.) 1. पत्तल, पातर 2. पत्तलों में रखकर भक्तों को बाँटा जाने वाला भगवान का प्रसाद ("उन बैष्णव को पातरि बाँटी") 3. कृश, दुबला, पतला, सूक्ष्म 4. पातर, वेश्या।
पातव्य वि. (तत्.) 1. रक्षा करने योग्य 2. पान करने योग्य।
पातशाह पुं. (फा.) दे. बादशाह, महाराज, राजा।
पाता पुं. (तद्.) पत्ता, पत्र। वि. (तत्.) 1. रक्षा करने वाला, बनाने वाला, रक्षक 2. पीने वाला।
पाताखत पुं. (तद्.) 1. पत्र और अक्षत 2. पूजन की साधारण सामग्री 3. मामूली भेंट सेवा उदा. सुमिरन पूजिबौ पाताखत थोरे।